Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 07 October 2024

Inext Page - 05

जीर्णोद्धार के लिए शासन को भेजा गया प्रस्ताव

डीडीयू के हास्टल व कैंपस को 18 करोड़ से चमकाएंगे

सड़क मरम्मत से चहारदीवारी निर्माण तक होगा

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (6 Oct): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे परिसर के जीर्णोद्धार की योजना बनाई है. इस योजना में हास्टल से लेकर शैक्षणिक व आवासीय परिसर भी शामिल हैं. इसके लिए 18 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाकर विश्वविद्यालय ने शासन को भेजा है. विश्वविद्यालय को जीर्णोद्धार की धनराशि स्वीकृत व जारी होने की उम्मीद है.

धन की हुई मांग

शासन को भेजे गए प्रस्ताव में कार्यवार धन की मांग की गई है. गौतम बुद्ध हास्टल के लिए एक करोड़ तीन लाख, स्वामी विवेकानंद हास्टल के लिए एक करोड़ 31 लाख, लक्ष्मीबाई महिला हास्टल के कादंबरी व कालिदी ब्लाक के लिए करीब दो करोड़ रुपये मांगे गए हैं. इसके अलावा सड़कों की शैक्षणिक व आवासीय परिसर की सड़कों की मरम्मत के लिए पौने पांच करोड़ रुपये का प्रस्ताव गया है.

विश्वविद्यालय काफी पुराना है, ऐसे में इसके कई भवनों व सड़कों के जीर्णोद्धार की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी. इसे ध्यान में रखकर ही 18 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है. पूरी उम्मीद है कि जल्द यह धनराशि स्वीकृत हो जाएगी. प्रस्ताव में हास्टल के जीर्णोद्धार से लेकर सड़क मरम्मत तक को शामिल किया गया है. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट व इंजेनज सिस्टम ठीक करने के लिए छह करोड़ रुपये मांगे गए हैं.

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी

लगेंगे दो टयूबवेल

विश्वविद्यालय का इंजेनज सिस्टम ठीक करने और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के साथ-साथ दो टयूबवेल बनाने के लिए साढ़े छह करोड़ से अधिक की धनराशि विश्वविद्यालय ने शासन से मांगी है. विश्वविद्यालय चौराहे से लेकर दीक्षा भवन की दीवार खाफी जर्जर हो चुकी है. उसके नवनिर्माण की भी योजना विश्वविद्यालय ने बनाई है. इसके लिए एक करोड़ 86 लाख की डिमांड की गई है.

बदल रहा संतकबीर हास्टल

विश्वविद्यालय के सबसे पुराने हास्टल में से एक संतकबीर हास्टल का जीर्णोद्धार कार्य लगभग पूरा होने को है. चार करोड़ की लागत से हो रहे जीर्णोद्धार कार्य से हास्टल की सूरत बदलने लगी है. इसे लेकर विश्वविद्यालय को बीते वर्ष धन स्वीकृत कराने में सफलता मिली गई थी.

Amar Ujala Page - 07, 10

अंग्रेजी विभाग में होगा स्वरचित कविता लेखन

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में पीजी छात्रों के लिए 'व्हिस्पर्स ऑफ द म्यूजः स्व रचित कविता लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन आठ अक्तूबर को किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह प्रतियोगिता पीजी छात्रों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करेगी, जहां वे अपने विचारों और कल्पनाओं को कविताओं के माध्यम से प्रकट कर सकेंगे। संवाद

Hindustan Page - 06

आचार्य रामचंद्र तिवारी का व्यक्तित्व विराट

संगोष्ठी

रविवार को विवि संवाद भवन में केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र पर कुलपति के साथ मंचासीन अतिथि। ● हिन्दुस्तान

गोरखपुर, निज संवाददाता। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के उपाध्यक्ष व झांसी विवि और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुरेंद्र दूबे ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र तिवारी का व्यक्तित्व विराट था। तीन दिनों तक चले इस आयोजन की सफलता भी इसका प्रमाण है।

प्रो. सुरेन्द्र दूबे डीडीयू के हिन्दी विभाग और केंद्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा आचार्य रामचन्द्र तिवारी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि आचार्य रामचंद्र तिवारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व इतना विराट है कि उसे तीन दिन में समेट पाना मुश्किल है। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजवंत राव ने कहा कि आचार्य तिवारी सभी विचारधाराओं से मुक्त आलोचक थे। उनकी आलोचना का केंद्र बिंदु भद्र, कल्याणकारी एवं शिवत्व है।

इससे पूर्व समापन सत्र में हिन्दी के विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त ने अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी के सह संयोजक प्रो. प्रत्युष दूबे ने संचालन व कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने आभार ज्ञापित किया। संयोजक प्रो. विमलेश मिश्र ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर प्रो.रजनीकांत पाण्डेय, प्रो. हर्ष सिन्हा, प्रो. केआर त्रिपाठी, प्रो. गोपाल प्रसाद, प्रो. विनोद सिंह, प्रो. अनुभूति दूबे आदि रहे।

Rashtriya Sahara Page - 07

सम्मान-पुरस्कार से नवाजे जाएंगे कवि हृदय विद्यार्थी

गोरखपुर (एसएनबी)। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए व्हिस्पर्स आफ द म्यूज स्व रचित कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार, 8 अक्टूबर को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, कवित्वशक्ति और अभिव्यक्ति के माध्यम से साहित्यिक कला के क्षेत्र में योगदान करने का अवसर प्रदान करना है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी विभिन्न विषयों पर आधारित स्व रचित कविताएं प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को अपनी भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष, प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह प्रतियोगिता हमारे पीजी छात्रों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करेगी। विद्यार्थी अपने विचारों और कल्पनाओं को कविताओं के माध्यम से प्रकट कर सकेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस साहित्यिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास छात्रों को साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

Swatantra Chetna Page - 04

विश्वविद्यालय में स्वरचित कविता लेखन का होगा आयोजन

☐ व्हिस्पर्स ऑफ द म्यूज प्रतियोगिता में विद्यार्थी दिखायेंगे अपनी रचनात्मकता

स्वतंत्र चेतना

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए व्हिस्पर्स ऑफ द म्यूजः स्व रचित कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार, 8 अक्टूबर को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, कवित्वशक्ति और अभिव्यक्ति के माध्यम से साहित्यिक कला के क्षेत्र में योगदान करने का अवसर प्रदान करना है।

अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष, प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह प्रतियोगिता हमारे पीजी छात्रों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करेगी, जहां वे अपने विचारों और कल्पनाओं को कविताओं के माध्यम से प्रकट कर सकेंगे। कुलपति, प्रो. पूनम टंडन, ने इस साहित्यिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास छात्रों को साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह प्रतियोगिता अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित की जा रही है, और इसमें विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र भाग ले सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

Amar Ujala Select Page - 02, 05

अंग्रेजी विभाग में होगा स्वरचित कविता लेखन

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में पीजी छात्रों के लिए 'व्हिस्पर्स ऑफ द म्यूजः स्व रचित कविता लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन आठ अक्तूबर को किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह प्रतियोगिता पीजी छात्रों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करेगी, जहां वे अपने विचारों और कल्पनाओं को कविताओं के माध्यम से प्रकट कर सकेंगे। संवाद

स्व रचित कविता लेखन का होगा आयोजन

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि के अंग्रेजी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों के लिए 'व्हिस्पर्स आफ द म्यूज : स्व रचित कविता लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन मंगलवार, आठ अक्टूबर को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता , कल्पनाशीलता, कवित्व शक्ति और अभिव्यक्ति के माध्यम से साहित्यिक कला के क्षेत्र में योगदान करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विभिन्न विषयों पर आधारित स्व रचित कविताएं प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को अपनी भावनाओं और विचारो को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष, प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह प्रतियोगिता हमारे पीजी छात्रों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करेगी, जहां वे अपने विचारो और कल्पनाओं को कविताओं के माध्यम से प्रकट कर सकेंगे। कुलपति, प्रो. पूनम टंडन ने इस साहित्यिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास छात्रों को साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Super Fast Times

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सुपर फास्ट टाइम्स
(कुशीनगर/गोरखपुर/गोण्डा

आचार्य रामचंद्र तिवारी का व्यक्तित्व और कृतित्व हमारी धरोहर : प्रो० पूनम टंडन

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के हिंदी विभाग द्वारा केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे दिन समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने कहा कि आचार्य रामचंद्र तिवारी का व्यक्तित्व और कृतित्व इतना बड़ा है कि उसे तीन दिनों में समेटना मुश्किल है। इसके बावजूद यह संगोष्ठी हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों को दिशा देने में सफल रही। इस सत्र के मुख्य अतिथि और केंद्रीय हिंदी निदेशालय के उपाध्यक्ष प्रो० सुरेन्द्र दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि इस तीन दिवसीय संगोष्ठी की सार्थकता इस बात में है कि आचार्य रामचंद्र तिवारी का प्रिय अध्ययन विषय कबीर रहा है। कबीर सनातन ज्ञान परंपरा में अद्वैतवादी दृष्टि की खोज कर रहे थे। इस अद्वैतवादी दृष्टि में 'मैं' का विलय स्वाभाविक है। इस 'मैं' का स्वाभाविक विलय आचार्य तिवारी में भी मौजूद है। इसलिए उन पर कोई भी चर्चा 'मैं' और 'मेरे' की भावना को विलय करके ही की जा सकती है। जो इस संगोष्ठी में शुरू से लेकर अंत तक बनी रही। समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि एवं कला संकाय के डीन प्रो० राजवंत राव ने कहा कि हर युग

नई अवधारणाओं का निर्माण करता है। लेकिन,किसी भी युग की कोई भी अवधारणा मनुष्य को पूरी तरह अपने दायरे में नहीं ले पाती। यहां यह ध्यान देने योग्य बात है कि साहित्य के केंद्र में विचार या विचारधारा से अलग मनुष्य होता है। इसीलिए साहित्य का कैनवास किसी भी अवधारणा या विचारधारा से बड़ा हो जाता है। इस सत्र के सारस्वत अतिथि प्रो० श्रीराम परिहार ने अपने संबोधन में कहा कि आलोचक रचनाकार का सह-शिक्षक होता है। यदि आचार्य रामचंद्र तिवारी का आलोचक व्यक्तित्व कवि के अनुभव की साझी जमीन पर खड़ा न होता तो अब तक कहीं लुप्त हो गया होता। समापन सत्र से पहले दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। पहले सत्र की अध्यक्षता प्रो० जोगेंद्र सिंह विसेन ने की और प्रो० हरीश कुमार शर्मा और प्रो० सिद्धार्थ शंकर ने अपने विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान दिए। दूसरा सत्र शोध पत्रों के वाचन पर केंद्रित रहा,जिसकी अध्यक्षता डॉ० दमयंती तिवारी ने की। कुलसचिव प्रो० शांतनु रस्तोगी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार के सह-संयोजक प्रो० प्रत्यूष दुबे ने मंच संचालन किया। संयोजक प्रो० विमलेश मिश्र ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो०रजनीकांत पांडे, प्रो० हर्ष कुमार सिन्हा,प्रो०करुणाकर राम त्रिपाठी, प्रो० गोपाल प्रसाद,प्रो०विनोद सिंह,प्रो०अनुभूति दुबे,प्रो० शरद मिश्र, प्रो० अहमद नसीम, डॉ० संजयन त्रिपाठी, अर्चित्य लाहिड़ी, डॉ० सूर्यकांत त्रिपाठी, डॉ० रंजन लता, डॉ० आलोक कुमार, डॉ० ओपी सिंह आदि मौजूद रहे।

- **तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन**
- **केवल 'मैं' की भावना का विघटन आवश्यक : प्रो० सुरेंद्र दुबे**
- **साहित्य का कैनवास किसी भी विचारधारा से बड़ा : प्रो० राजवंत राव**

अंग्रेजी विभाग में स्वरचित काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

व्हिसपर्स ऑफ द म्यूज प्रतियोगिता में छात्र दिखाएंगे अपनी रचनात्मकता

सुपर फास्ट टाइम

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग में मंगलवार 8 अक्टूबर को स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 'व्हिसपर्स ऑफ द म्यूजः स्वरचित काव्य लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को अपनी रचनात्मकता,कल्पना,काव्य शक्ति और अभिव्यक्ति के माध्यम से साहित्य कला के क्षेत्र में योगदान करने का अवसर प्रदान करना है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी विभिन्न विषयों पर आधारित स्वरचित कविताएं प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है।अंग्रेजी

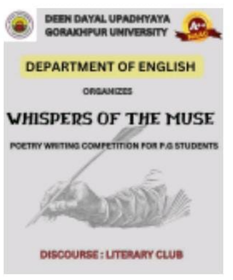

विभाग के अध्यक्ष प्रो० अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह प्रतियोगिता हमारे परास्नातक छात्रों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करेगी,जहां वे कविताओं के माध्यम से अपने विचारों और कल्पनाओं को व्यक्त कर सकेंगे। कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने इस साहित्यिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय का यह प्रयास छात्रों को साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रतियोगिता अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित की जा रही है, और इसमें विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।